पंजाब केसरी
TUE,10 FEBRUARY 2026
EDITION: HIMACHAL , PAGE NO. 5

बोर्ड परीक्षा में शॉर्टकट नहीं, मेहनत दिलाएगी कामयाबी : राजेश शर्मा

धर्मशाला, 9 फरवरी (ब्यूरो): हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड की आगामी परीक्षाओं से पहले बोर्ड अध्यक्ष डा. राजेश शर्मा ने छात्रों में जोश भरते हुए उन्हें सफलता का मार्ग दिखाया है।

उन्होंने कहा कि ईमानदारी, कड़ा परिश्रम और अनुशासन ही वे स्तंभ हैं, जिनके दम पर छात्र बोर्ड परीक्षाओं में न केवल बेहतर अंक प्राप्त कर सकते हैं, बल्कि अपने भविष्य की ठोस नींव भी रख सकते हैं। परीक्षा के अंतिम दिनों की संवेदनशीलता को देखते हुए डा. राजेश ने छात्रों से आग्रह किया है कि वे किसी भी तरह के मानसिक तनाव को खुद पर हावी न होने दें।

उन्होंने समय के सदुपयोग पर जोर देते हुए कहा कि यह समय नए विषयों में उलझने की बजाय पुराने पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति और लिखित अभ्यास का है। एक संतुलित जीवनशैली और नियमित दिनचर्या ही छात्र को परीक्षा कक्ष में आत्मविश्वास से भर सकती है। बोर्ड अध्यक्ष ने छात्रों को नकल जैसी अनुचित प्रवृत्तियों से दूर रहने की सख्त हिदायत दी है। बोर्ड का उद्देश्य छात्रों पर दबाव बनाना नहीं, बल्कि उन्हें अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए एक सुरक्षित मंच प्रदान करना है।

Anat Gyan 10-02-2026

बोर्ड अध्यक्ष डॉ. राजेश ने छात्रों को दिया सफलता का मंत्र

अंतिम समय में घबराएं नहीं, रिवीजन और अनुशासन को बनाएं हथियार

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड की आगामी परीक्षाओं से पहले बोर्ड अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने छात्रों में जोश भरते हुए उन्हें सफलता का मार्ग दिखाया है। उन्होंने स्पष्ट संदेश दिया कि ईमानदारी, कड़ा परिश्रम और अनुशासन ही वे स्तंभ हैं, जिनके दम पर छात्र बोर्ड परीक्षाओं में न केवल बेहतर अंक प्राप्त कर सकते हैं, बल्कि अपने भविष्य की ठोस नींव भी रख सकते हैं।

परीक्षा के अंतिम दिनों की संवेदनशीलता को देखते हुए डॉ. शर्मा ने छात्रों से आग्रह किया है कि वे किसी भी तरह के मानसिक तनाव को खुद पर हावी न होने दें। उन्होंने समय के सदुपयोग पर जोर देते हुए कहा कि यह समय नए विषयों में उलझने के बजाय पुराने पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति और लिखित अभ्यास का है। एक संतुलित जीवनशैली और नियमित दिनचर्या ही छात्र को परीक्षा कक्ष में आत्मविश्वास से भर सकती है।

◆ परीक्षा में शॉर्टकट नहीं मेहनत दिलाएगी कामयाबी

नकल के खिलाफ जीरो टॉलरेंस

बोर्ड अध्यक्ष ने छात्रों को नकल जैसी अनुचित प्रवृत्तियों से दूर रहने की सख्त हिदायत दी है। उन्होंने कहा कि बोर्ड परीक्षाओं के दौरान एक निष्पक्ष, पारदर्शी और भयमुक्त वातावरण सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। बोर्ड का उद्देश्य छात्रों पर दबाव बनाना नहीं, बल्कि उन्हें अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए एक सुरक्षित मंच प्रदान करना है।

राष्ट्र के भविष्य हैं विद्यार्थी

शिक्षा को भविष्य निर्माण की केंद्रीय धुरी बताते हुए डॉ. शर्मा ने कहा कि छात्रों की सफलता सीधे तौर पर प्रदेश और देश की प्रगति से जुड़ी है। उन्होंने विद्यार्थियों को अपनी क्षमताओं पर विश्वास रखने की प्रेरणा देते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने अंत में दोहराया कि ईमानदार मेहनत कभी व्यर्थ नहीं जाती और इसका मीठा फल छात्र को अवश्य मिलता है।

Apka Faisla 10-02-2026

मेहनत ही दिलाएगी सफलता, शॉर्टकट से बचें विद्यार्थी : राजेश शर्मा

धर्मशाला,(आपका फैसला)। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड की आगामी बोर्ड परीक्षाओं से पहले बोर्ड अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने विद्यार्थियों को सफलता का स्पष्ट संदेश दिया है। उन्होंने कहा कि बोर्ड परीक्षाओं में बेहतर परिणाम हासिल करने के लिए शॉर्टकट का कोई विकल्प नहीं है। नियमित अध्ययन, ईमानदार मेहनत और अनुशासन ही विद्यार्थियों को सफलता के शिखर तक पहुंचा सकते हैं। डॉ. शर्मा ने विद्यार्थियों से आग्रह किया कि परीक्षा के अंतिम दिनों में घबराहट को खुद पर हावी न होने दें। उन्होंने कहा कि यह समय नए विषयों में उलझने का नहीं, बल्कि पूरे पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति और लिखित अभ्यास का है। सही समय प्रबंधन और संतुलित दिनचर्या से विद्यार्थी आत्मविश्वास के साथ परीक्षा में बैठ सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि परीक्षा को तनाव के रूप में लेने के बजाय इसे अपनी तैयारी और क्षमता को परखने का अवसर समझना चाहिए। सकारात्मक सोच, पर्याप्त नींद और नियमित पढ़ाई

विद्यार्थियों को मानसिक रूप से मजबूत बनाती है और बेहतर प्रदर्शन में सहायक होती है। बोर्ड अध्यक्ष ने नकल जैसी अनुचित प्रवृत्तियों के खिलाफ सख्त रुख अपनाने की बात दोहराई। उन्होंने स्पष्ट किया कि बोर्ड परीक्षाओं के दौरान पूरी पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित की जाएगी, ताकि प्रत्येक विद्यार्थी को अपनी प्रतिभा दिखाने का समान और सुरक्षित अवसर मिल सके। उन्होंने विद्यार्थियों को अपनी क्षमताओं पर विश्वास रखने और पूरे मनोयोग से परीक्षा देने की प्रेरणा देते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने अंत में कहा कि ईमानदार मेहनत का फल हमेशा मीठा होता है और सफलता निश्चित रूप से मिलती है।

Amar Ujala 10-02-2026

परीक्षा में शॉर्टकट से नहीं मेहनत से मिलेगी सफलता

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड की आगामी परीक्षाओं से पहले बोर्ड अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने विद्यार्थियों को कुछ टिप्स दिए हैं। उन्होंने कहा कि ईमानदारी, कड़ा परिश्रम और अनुशासन ही वह स्तंभ हैं, जिनके दम पर विद्यार्थी बोर्ड परीक्षाओं में न केवल बेहतर अंक प्राप्त कर सकते हैं, बल्कि अपने भविष्य की ठोस नींव भी रख सकते हैं। परीक्षा में शॉर्टकट नहीं बल्कि मेहनत से सफलता मिलेगी।

बोर्ड अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने विद्यार्थियों को दिए टिप्स

परीक्षा के अंतिम दिनों की संवेदनशीलता को देखते हुए डॉ. शर्मा ने आग्रह किया है कि विद्यार्थी किसी भी तरह के मानसिक तनाव को खुद पर हावी न होने दें। उन्होंने समय के सदुपयोग पर जोर देते हुए कहा कि यह समय नए विषयों में उलझने के बजाय पुराने पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति और लिखित अभ्यास का है। एक संतुलित जीवनशैली और नियमित दिनचर्या ही छात्र को परीक्षा कक्ष में आत्मविश्वास से भर सकती है।

नकल के खिलाफ जीरो टॉलरेंस बोर्ड अध्यक्ष ने छात्रों को नकल जैसी अनुचित प्रवृत्तियों से दूर रहने की सख्त हिदायत दी है। कहा कि बोर्ड का उद्देश्य छात्रों पर दबाव बनाना नहीं, बल्कि उन्हें अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए एक सुरक्षित मंच प्रदान करना है। शिक्षा को भविष्य निर्माण की केंद्रीय धुरी बताते हुए डॉ. शर्मा ने कहा कि छात्रों की सफलता सीधे तौर पर प्रदेश और देश की प्रगति से जुड़ी है। उन्होंने विद्यार्थियों को अपनी क्षमताओं पर विश्वास रखने की प्रेरणा देते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। ब्यूरो

Himachal Dastak 10-02-2026

बोर्ड परीक्षा में शॉर्टकट नहीं, मेहनत दिलाएगी कामयाबी

शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने छात्रों को दिया सफलता का मंत्र

हिमाचल दस्तक ब्यूरो ▮ धर्मशाला

हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड की आगामी परीक्षाओं से पहले बोर्ड अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने छात्रों में जोश भरते हुए उन्हें सफलता का मार्ग दिखाया है। उन्होंने स्पष्ट संदेश दिया कि ईमानदारी, कड़ा परिश्रम और अनुशासन ही वे स्तंभ हैं, जिनके दम पर छात्र बोर्ड परीक्षाओं में न केवल बेहतर अंक प्राप्त कर सकते हैं, बल्कि अपने भविष्य की ठोस नींव भी रख सकते हैं। परीक्षा के अंतिम दिनों की संवेदनशीलता को देखते हुए डॉ. राजेश शर्मा ने छात्रों से आग्रह किया है कि वे किसी भी तरह के मानसिक तनाव को खुद पर हावी न होने दें। उन्होंने समय के सदुपयोग पर जोर देते हुए कहा कि यह समय नए विषयों में उलझने के बजाय पुराने पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति और लिखित अभ्यास का है। एक संतुलित जीवनशैली और नियमित दिनचर्या ही छात्र को परीक्षा कक्ष में आत्मविश्वास से भर सकती है।

▮ छात्रों को नकल जैसी अनुचित प्रवृत्तियों से दूर रहने की सख्त हिदायत दी

बोर्ड अध्यक्ष ने छात्रों को नकल जैसी अनुचित प्रवृत्तियों से दूर रहने की सख्त हिदायत दी है। उन्होंने कहा कि बोर्ड परीक्षाओं के दौरान एक निष्पक्ष, पारदर्शी और भयमुक्त वातावरण सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। बोर्ड का उद्देश्य छात्रों पर दबाव बनाना नहीं, बल्कि उन्हें अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए एक सुरक्षित मंच प्रदान करना है। शिक्षा को भविष्य निर्माण की केंद्रीय धुरी बताते हुए डॉ. शर्मा ने कहा कि छात्रों की सफलता सीधे तौर पर प्रदेश और देश की प्रगति से जुड़ी है। उन्होंने विद्यार्थियों को अपनी क्षमताओं पर विश्वास रखने की प्रेरणा देते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने अंत में दोहराया कि ईमानदार मेहनत कभी व्यर्थ नहीं जाती और इसका मीठा फल छात्र को अवश्य मिलता है।

कालिंदी कॉलेज के छात्रों ने किया शैक्षणिक भ्रमण

धर्मशाला। दिल्ली विश्वविद्यालय के कालिंदी कॉलेज के विद्यार्थियों ने अपने शैक्षणिक भ्रमण (स्टडी टूअर) के अंतर्गत हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला, त्रिउंड एवं बीड़ क्षेत्रों का भ्रमण किया। इस भ्रमण के दौरान छात्रों ने वनाग्नि जैसे गंभीर पर्यावरणीय विषयों पर स्थानीय निवासियों से जानकारी प्राप्त की तथा उनके साथ सार्थक संवाद स्थापित किया। इस शैक्षणिक भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण एवं वन प्रबंधन से संबंधित व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करना था। कार्यक्रम में कॉलेज की प्राध्यापिकाएं प्रो. उषा कुमारी पाठक एवं प्रो. गीता कुमारी भी विद्यार्थियों के साथ उपस्थित रहीं और उन्होंने छात्रों को शैक्षणिक मार्गदर्शन प्रदान किया। यह शैक्षणिक यात्रा लोका ट्रैवल कंपनी द्वारा सफलतापूर्वक आयोजित की गई, जिसमें कंपनी के मालिक गौरव शर्मा स्वयं भी उपस्थित रहे। और स्थानीय स्तर पर पर्यटन एवं शैक्षणिक यात्राओं के आयोजन में सक्रिय भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम के दौरान वन विभाग के जिला वन अधिकारी (डीएफओ) राहुल शर्मा तथा कांगड़ा जिले के डीसी हेमराज बैरवा भी बैठक में शामिल हुए।